प्रकाशनार्थ

गोरखपुर, 21 मार्च। **एम्स मुद्दे पर प्रदेश सरकार की लापरवाही और गलत बयानबाजी अक्षम्य है। अगर एम्स को गोरखपुर से अन्यत्र स्थानान्तरित करने की साजिश हुई तो इसके भीषण परिणाम होंगे।**

उक्त चेतावनी गोरक्षपीठाधीश्वर एवं गोरखपुर के **सांसद महन्त योगी आदित्यनाथ जी ने एम्स मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी, हिन्दु युवा वाहिनी तथा अन्य सामाजिक–सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा निकाली गई पद–यात्रा के उपरान्त जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए** कहीं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश का हृदय स्थल है। गोरखपुर में एम्स की स्थापना न केवल पूर्वी उ0प्र0 के विकास से जुड़ा है बल्कि गोरखपुर, बस्ती तथा आजमगढ़ मण्डल के साथ ही देवीपाटन मण्डल, पश्चिमोत्तर बिहार तथा नेपाल की तराई का एक बड़े भूभाग की लगभग 5 करोड़ की आबादी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी आवश्यक है। इसलिये गोरखपुर को ध्यान में रखकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के 12 सांसदों ने फरवरी,2015 में मेरे साथ भारत के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से एम्स मुद्दे पर मिले थे। केन्द्र सरकार ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए स्वीकृत एम्स गोरखपुर को उपलब्ध कराया। एम्स स्थापना के लिए जो मानक है वह पहले से ही स्पष्ट है कि **जिस राज्य में एम्स की स्थापना होनी है उस राज्य सरकार को 200 एकड़ भूमि, फोरलेन कनेक्टीविटी के साथ जल आपूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का शपथ पत्र केन्द्र सरकार को उपलब्ध कराना होता है।** क्या कारण है कि प्रदेश सरकार लगातार गलत बयानबाजी करके गोरखपुर में एम्स स्थापना से सम्बन्धित कोई ठोस प्रस्ताव केन्द्र सरकार को उपलब्ध नही करा पायी? जबकि फरवरी 2015 से दिसम्बर,2015 तक केन्द्र सरकार ने 4 पत्र प्रदेश सरकार को लिखें। प्रदेश सरकार की लापरवाही पूर्वी उत्तर प्रदेश के उन लोगों के खिलाफ भद्दा मजाक है जो स्वास्थ्य सुविधा से दम तोड़ रहे है अथवा बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए लखनऊ, दिल्ली या किसी बड़े महानगर जाने के लिए मजबूर है। प्रदेश सरकार की यह लापरवाही अक्षम्य है, इसलिये प्रदेश सरकार की अकर्मण्यता, लापरवाही, जनविरोधी तथा विकास विरोधी रवैये के खिलाफ सड़को पर हमें उतरना पड़ा है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुशीनगर के **सांसद श्री राजेश पाण्डेय** ने कहा कि गोरखपुर में एम्स की स्थापना हो इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के 12 सांसदों ने मा0 योगी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मिले थे। भारत सरकार ने सकारात्मक रवैया दिखाते हुए गोरखपुर में एम्स स्थापना घोषणा की । लेकिन आश्चर्य है कि प्रदेश सरकार ने कोई सकारात्मक रवैया दिखाने के बजाय लगातार अपनी विकास विरोधी एवं जन विरोधी भ्रामक बयानबाजी कर रही है।

बॉसगांव के **सांसद श्री कमलेश पासवान** ने कहा कि यह सरकार विकास विरोधी है। प्रशासन ने भी प्रदेश सरकार को गुमराह कर रखा है। अन्यथा अबतक एम्स का कार्य गोरखपुर प्रारम्भ हो जाता।

गोरखपुर के **नगर विधायक डॉ0 राधामोहनदास अग्रवाल** ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोरखपुर में एम्स न बन पाने में हो रही देरी के लिए सपा, बसपा एवं कांग्रेस तीनों दोषी है। जो लोग आज सत्याग्रह कर रहे है वे अपनी पार्टी से क्यो नही पूछते?

अपनी सरकार में गोरखपुर में एम्स क्यो नही हुआ, बहुजन समाज पार्टी के लोग घड़ियाली आसू बहा रहे है। समाजवादी पार्टी से किसी विकास की उम्मीद नही की जा सकती।

प्रदर्शन को विधायक संत प्रसाद, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, मेयर सत्या पाण्डेय, पूर्व मेयर अन्जू चौधरी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र दत्त शुक्ल, विश्व हिन्दु महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, हिन्दु युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख विपिन सिंह, सर्राफा मण्डल के संरक्षक पुष्पदन्त जैन, भाजपा नेता रमेश सिंह, विधायक जनमेजय सिंह, पूर्व सांसद श्रीराम चौहान, सांसद प्रतिनिधि शीतल पाण्डेय सहित आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी को प्रदेश के राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन भी दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष जर्नादन तिवारी ने किया। ज्ञापन भाजपा महानगर अध्यक्ष डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह ने पढ़कर सौंपा। धन्यवाद ज्ञापन हिन्दु युवा वाहिनी के प्रदेश कार्यालय प्रभारी ई0 पी0के0मल्ल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सांसद पंकज चौधरी, विधायक फतेह बहादुर सिंह, पूर्व विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव, डॉ0 विमलेश पासवान, डॉ0 एच0एन0पटेल, पूर्व ब्लाक प्रमुख गोरख सिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, राकेश सिंह बघेल, आनन्द शाही, नगर निगम उपसभापति मनु जायसवाल, हिन्दु युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह, महामंत्री रामलक्ष्मण, राकेश सिंह पहलवान, कामेश्वर सिंह, डॉ0 आर0एन0सिंह, अवधेश सिंह, हरिप्रकाश मिश्र, राजेश्वर सिंह, सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, दिनेश सिंह पहलवान, विनय जायसवाल, अरूण भारती, रामभुआल कुशवाहा, उदयभान सिंह, रमाकान्त निषाद, ऋषिमोहन वर्मा, विजय शंकर यादव, रणंजय सिंह जूगनू, आशीष गुप्ता, धर्मदेव चौहान, वीरसिंह सोनकर, सौरभ विश्वकर्मा, नीरज शाही, मातृशक्ति प्रकोष्ठ की खुश्बू गुप्ता, अजय गोविन्द राव, शेषविजय सिंह, रामपाल सिंह, आनन्द शंकर पाठक, अज्जू हिन्दुस्थानी, श्यामधनी राही, रमेश गुप्ता, बबलू यादव, टुनटुन राय, नरसिंह पाण्डेय, संजय सिंह मुन्ना, मुन्ना राय, हरिवंश मिश्रा, अरूण सिंह साधू, रणजीत सिंह, लालजी सिंह, रणजीत राय बड़े, धीरेन्द्र सिंह बघेल, सरोज रंजन शुक्ल, रामजियावन मौर्या, पवन कसौधन, रामकुमार कुँवर, मयाशंकर शुक्ला, हृदय नारायण पाण्डेय, बॉकेलाल तिवारी, सत्यम साहनी, मिथिलेश मल्ल, रामपाल यादव, राजेश सोनकर, पवन त्रिपाठी, दुर्गेश बजाज, पिण्टू गौड़, रविन्द्र प्रताप सिंह राजू, सुजीत कुमार, अष्टभुजा तिवारी, अजय सिंह, राजेश जायसवाल, विन्ध्याचल आजाद, संजय गौड़, ई0 राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, राहुल श्रीवास्तव, विश्वजीतांशु सिंह ऑशू, देवेश श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, विनोद दूबे, सूर्य प्रकाश शर्मा, दयाकृष्ण गुप्ता, अच्युतानन्द शाही, सूर्यनाथ, कमलेश पटेल, राम प्रताप सिंह, सत्यव्रत तिवारी, श्याम नारायण दूबे, राजेश निषाद, डॉ0 आर0डी0सिंह, मनोज शुक्ला, दिनेश दूबे, नरेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र मिश्रा, कवलबॉग सिंह, डॉ0 सदानन्द शर्मा, राजेशलाल श्रीवास्तव, अश्वनी तिवारी, राधेश्याम सिंह, प्रदीप कुमार, मंजीत विश्वकर्मा, आनन्द गुप्ता सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एम्सः योगी की अगुआई में सड़क पर उतरे लोग

- एम्स के मुद्दे पर राजनीति स्वीकार्य नहीं : योगी आदित्यनाथ
- जमीन पर काम करने की जगह मुख्यमंत्री के भ्रामक बयान शर्मनाक

एम्स की स्थापना को लेकर सड़क पर उमड़ा हुजूम। जागरण

जुलूस में मेयर डा. सत्या पाण्डेय व अंजू चौधरी।

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: एम्स के मुद्दे पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सांसद योगी आदित्यनाथ की अगुआई में सोमवार को लोग सड़क पर उतर आए। हजारों की संख्या में लोगों ने रेलवे स्टेशन स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति से लेकर डीएम कार्यालय तक जुलूस निकाला। प्रदेश सरकार के विरोध और लेकर रहेंगे एम्स के नारे लगाते हुए जुलूस डीएम कार्यालय पहुंचकर धरने में बदल गया।

सभा में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एम्स न केवल पूर्वांचल, बल्कि नेपाल और बिहार के करीब 5 करोड़ लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा बेहद संवेदनशील मुद्दा है। ऐसे मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने वाले मुख्यमंत्री के बयान शर्मनाक हैं। जमीन पर कुछ करने की बजाय वे सिर्फ बयान दे रहे हैं। सच ये है कि एम्स के लिए अब तक न जमीन मुहैया कराई गई है न ही चार लेन की सड़क के लिए भूमि का अधिग्रहण हुआ। प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर राजनीति करने से बाज आए। उसकी लापरवाही से अगर एम्स यहां से कहीं और गया तो नतीजे गंभीर होंगे।

कहा, एम्स करोड़ों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा से जुड़ा मुद्दा है। इसे लेकर फरवरी 2015 में मैं पूर्वी उप्र के 12 सांसदों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिला था। इसी पहल पर पूर्वी उप्र के लिए मंजूर एम्स गोरखपुर को मिला। नियमानुसार एम्स के लिए तय मानक पूरा कराना प्रदेश सरकार का काम है।

कुशीनगर के सांसद राजेश पांडेय, बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान, नगर विधायक डा. राधामोहनदास अग्रवाल, विधायक संत प्रसाद, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, मेयर सत्या पांडेय, पूर्व मेयर अंजू चौधरी, विधायक जनमेजय सिंह, पूर्व सांसद श्रीराम चौहान, सांसद प्रतिनिधि शीतल पांडेय ने कहा, जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना हर कल्याणकारी राज्य का फर्ज है, पर लगता है सपा सरकार का इससे कोई सरोकार ही नहीं है। उनकी सारी सोच अपने वोट बैंक और क्षेत्र विशेष तक ही सीमित हो गई है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष उपेंद्र शुक्ल, वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, विश्व हिंदु महासंघ (विहिम) के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, हियुवा के प्रदेश प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख विपिन सिंह और सराफा मंडल के संरक्षक पीडी जैन ने कहा, विकास और जनहित सपा की सोच में ही नहीं है। इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाकर ही दम लेंगे।

सभा के बाद राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा गया। इसे पूर्व महानगर अध्यक्ष डा.धर्मेंद्र सिंह ने पढ़ा। संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष जर्नादन तिवारी ने किया। हियुवा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी पीके मल्ल ने आभार जताया।

कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोग

सांसद पंकज चौधरी, विधायक फतेह बहादुर सिंह, पूर्व विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह, राकेश सिंह पहलवान, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह, रामलक्ष्मण, भिखारी प्रजापति, दयाराम चौधरी, बृजेश यादव,डा. विमलेश पासवान, लालजी सिंह, कामेश्वर सिंह, डा. एवएन पटेल, गोरख सिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, राकेश सिंह बघेल, आनन्द शाही, कामेश्वर सिंह,मनु जायसवाल, डा. आरएन सिंह, अवधेश सिंह, रविप्रकाश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, देवेश श्रीवास्तव, अच्युतानंद शाही, विश्वजितांशु सिंह, शशितेश सिंह, राजेश गुप्ता, विनोद दूबे आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ओएन सिंह को ज्ञापन सौंपते सांसद योगी आदित्यनाथ।